दिनांक 15 सितम्बर, 2017 को C.I.T., राँची में अभियंता दिवस के अवसर पर माननीया राज्यपाल जी का अभिभाषण:-

आज C.I.T., राँची द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में आप सभी के बीच सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है। आज Engineer's Day दिवस है। सर्वप्रथम इस अवसर पर मैं महान Engineer भारतरत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को उनकी जयंती के अवसर पर नमन करती हूँ। सभी जानते हैं कि भारतरत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्म दिवस को अभियंता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

आज भी मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को आधुनिक भारत के विश्वकर्मा के रूप में बड़े सम्मान के साथ स्मरण किया जाता है। अपने समय के बहुत बड़े अभियंता, वैज्ञानिक और निर्माता के रूप में देश की सेवा में अपना जीवन समर्पित करने वाले डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को भारत ही नहीं, वरन् विश्व की महान प्रतिभाओं में गिना जाता है।

भारत की आजादी के बाद नये भारत के निर्माण और विकास में talented Engineers ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गांव एवं शहरों के समग्र विकास के लिए सड़कों, पुल-पुलियों और सिंचाई जलाशयों सहित विभिन्न basic infrastructure निर्माण की दिशा में अनेक कार्य हो रहे हैं। हमारे Engineers ने अपनी कुशलता से इन सभी निर्माण कार्यों को गति प्रदान की है। आशा है कि ईमानदार एवं समर्पित भाव से आगे भी वे देश एवं राज्यहित में कार्य करेंगे। अपने कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरतेंगें। देश के विकास के लिए सभी के सहयोग एवं ईमानदार

प्रयास की आवश्यकता है। बेईमानी तथा लापरवाही की राह पर चलकर थोड़ा समय के लिए तो सुख प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन इस राह पर चलकर न स्वयं का अच्छा कर सकते हैं, न अपने बाल-बच्चे का, न समाज का, न ही राज्य एवं राष्ट्र का। इसलिए कार्यों को सेवा-भाव की दृष्टि से ले, ताकि ये दुनिया आपकी देन को याद रख सके। आपको भी संतुष्टि एवं गौरव हो कि आपने समाज को कुछ देने का काम किया है। आपको भी लोग भारतरत्न डा० एम० विश्वेश्वरैया की भाँति याद करें। इसलिए सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत Engineers के साथ निजी क्षेत्रों में कार्य करनेवाले Engineers से कहना चाहूँगी कि आप जहाँ कहीं भी, जिस कार्य में लगे हों, उस कार्य को पूरा निष्ठा से करें। आनेवाली पीढ़ी आपको कर्मठ एवं ईमानदार तथा प्रेरणास्रोत Engineer के रूप में याद करें।

Educational Institutions के Managements, Teachers और Students का दायित्व है कि वे अपने कर्त्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन कर इन Institutions का सतत विकास में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दें। किसी भी राज्य के विकास में शिक्षा का महत्त्वपूर्ण स्थान है और शिक्षा के विकास में राज्य एवं सरकार की नीतियों के साथ-साथ Educational Institutions की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। मेरी शुभकामना है कि इस Institution का चहुँमुखी विकास हो और Technical Education के क्षेत्र में इसका महती योगदान हो। पढ़ाई के साथ-साथ अनुशासन, नैतिक शिक्षा, व्यावहारिक ज्ञान, पर्यावरण संरक्षण आदि के साथ भी विद्यार्थियों का जुड़ाव हो। इन सब बातों के साथ-साथ Institution में Placement की समुचित व्यवस्था

हो ताकि यहाँ से Pass Student को उचित नौकरी मिले, यह तभी संभव होगा जब यहाँ के Management, Teacher और Students का बेहतर प्रयास होगा। Private Institution सरकार द्वारा निर्धारित मापदंड को पूर्ण करें। Students को quality education सुलभ करायें। Campus में सर्वत्र ज्ञान का माहौल हो। Teachers एवं Management का Students के प्रति रूख़ Co-operative हो। हमारे Students को सभी प्रकार के basic Infrastructure सुलभ कराई जाय। कुल मिलाकर, हमारे Student स्वयं को किसी भी प्रकार की ठगी का शिकार न समझें। उन्हें यहाँ बेहतर मार्गदर्शन प्राप्त हो, ताकि वे भविष्य में अच्छा कर सकें। स्वयं के साथ अपने समाज, राज्य एवं राष्ट्र का नाम रौशन करेंगें। साथ ही इस Institution से आशा करती हूँ कि शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार का वातावरण कायम करें कि यह अन्य राज्यों में स्थापित Private Colleges के लिए Role model बने।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!